प्रश्न:

“हथियार” शब्द का क्या अर्थ है, और इसका आत्मिक संदेश क्या है?

आइए शास्त्र के पद को देखें:

उत्पत्ति 27:2–4 में लिखा है:

“इसहाक ने अपने पुत्र से कहा, ‘देख, मैं बूढ़ा हो गया हूँ;
मैं नहीं जानता कि मेरी मृत्यु का दिन कब आए। इसलिए अब तू अपने हथियार, अर्थात् अपना तरकश और धनुष लेकर मैदान में जा,
और मेरे लिये शिकार कर ला। फिर मेरे लिये स्वादिष्ट भोजन
बना, ताकि मैं खाकर मरने से पहले तुझे आशीर्वाद दूँ।’”

“हथियार” का अर्थ

यहाँ “हथियार” शब्द से अभिप्राय शिकार या युद्ध में प्रयुक्त अस्त्र-शस्त्र से है। इसहाक अपने पुत्र से कहता है कि वह अपने “हथियार” ले, और साथ ही वह तरकश और धनुष का भी उल्लेख करता है।

अब प्रश्न उठता है कि यहाँ किस विशेष हथियार की बात हो रही

है—भाला, तलवार, या कुछ और?

क्योंकि इस पद में तरकश और धनुष का उल्लेख है, इसलिए यह स्पष्ट है कि यहाँ तीरों की ओर संकेत किया गया है। बिना तीरों के न तो तरकश का और न ही धनुष का कोई अर्थ है। इसलिए इस संदर्भ में “हथियार” से आशय विशेष रूप से तीर ही है।

यह हमें यह सिखाता है कि किसी भी कार्य को पूरा करने के लिए सही तैयारी और उचित साधन होना बहुत आवश्यक है। जैसे इसहाक का आशीर्वाद सही हथियारों के साथ शिकार करने पर निर्भर था, वैसे ही आत्मिक जीवन में भी परमेश्वर के लोगों को संघर्ष के लिए तैयार और सुसज्जित रहना चाहिए।

आत्मिक शिक्षा

यद्यपि यहाँ भौतिक हथियारों की बात की गई है, लेकिन बाइबल स्पष्ट करती है कि मसीही जीवन एक आत्मिक युद्ध है, और इसके लिए हमें आत्मिक हथियारों की आवश्यकता होती है।

इफिसियों 6:10–18 में लिखा है:

“अन्त में, प्रभु में और उसकी शक्ति के प्रभाव में बलवन्त बनो। परमेश्वर का पूरा हथियार बाँध लो, ताकि तुम शैतान की युक्तियों के सामने स्थिर रह सको। क्योंकि हमारा यह मल्लयुद्ध मांस और लहू से नहीं, परन्तु प्रधानों, अधिकारियों, इस संसार के अन्धकार के हाकिमों और आकाश में की दुष्ट आत्मिक सेनाओं से है। इस कारण परमेश्वर का पूरा हथियार बाँध लो…
इसलिए सत्य से अपनी कमर बाँधकर, और धार्मिकता की झिलम पहिने हुए, और पाँवों में मेल के सुसमाचार की तैयारी के जूते
पहिनकर स्थिर रहो। सब के साथ विश्वास की ढाल लेकर खड़े रहो…
और उद्धार का टोप, और आत्मा की तलवार अर्थात् परमेश्वर का
वचन लेकर, और हर समय आत्मा में प्रार्थना करते रहो।”

ये आत्मिक हथियार—सत्य, धार्मिकता, सुसमाचार, विश्वास, उद्धार, परमेश्वर का वचन और प्रार्थना—ही मसीहियों को शैतान के हर आक्रमण के विरुद्ध दृढ़ और जयवन्त बनाते हैं।

सारांश

उत्पत्ति 27:3 में “हथियार” से अभिप्राय तीर हैं, जो इसहाक के पुत्र को शिकार के लिए आवश्यक थे।

आत्मिक रूप से यह हमें स्मरण दिलाता है कि जैसे भौतिक युद्ध के लिए हथियार आवश्यक हैं, वैसे ही आत्मिक युद्ध के लिए आत्मिक हथियार अनिवार्य हैं।

इफिसियों 6 में वर्णित परमेश्वर का पूरा हथियार ही हमारे आत्मिक “हथियार” हैं, जिनके द्वारा हम मसीह में जयवन्त जीवन जी सकते हैं।

प्रभु आपको अनुग्रह दे कि आप उसका पूरा हथियार बाँधकर दृढ़ खड़े रहें। आमीन।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp